

राजस्थान सौर ऊर्जा में नंबर वन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में जारी भारत सरकार के **नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE)** की एक रिपोर्ट में राजस्थान 7737.95 मेगावाट सौर ऊर्जा की स्थापति क्षमता के साथ कर्नाटक को पीछे छोड़ते हुए देश में पहले पायदान पर आ गया है।

प्रमुख बंदि

- गौरतलब है कि **MNRE** की रिपोर्ट में **गुजरात 5708 मेगावाट क्षमता के साथ तीसरे, तमलिनाडु 4675 मेगावाट क्षमता के साथ चौथे तथा आंध्र प्रदेश 4380 मेगावाट के साथ पाँचवे स्थान पर है।**
- कोवडि-19 की वषिम परस्थितियों के बावजूद वगित मात्र आठ माह में ही राजस्थान में 2348.47 मेगावाट नई सौर ऊर्जा की क्षमता स्थापति की गई है।
- राजस्थान ने वर्ष 2021 में सौर ऊर्जा के ग्राउंड माउंट, रूफ टॉप और ऑफ ग्राडि सहति सभी कषेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति दर्ज की है।
- ग्रीन एनर्जी-क्लीन एनर्जी के कषेत्र में राजस्थान को अग्रणी बनाने की दशिा में राज्य की **सौर ऊर्जा नीति-2019** नविशकों के लयि काफी महत्त्वपूर्ण रही है। साथ ही, रपिस-2019 के प्रावधानों से प्रदेश में सौर ऊर्जा के कषेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आया है। इस नीति के तहत अप्रैल 2021 में प्रदेश में हाईब्रडि ऊर्जा के कषेत्र में 34 हज़ार 200 करोड़ रुपए के कस्टमाइज्ड नविश प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें से अधिकतर सौर ऊर्जा से संबंधति हैं।
- सौर ऊर्जा को प्रोत्साहन देने की नीतियों का परिणाम रहा है कि राजस्थान इस कषेत्र में देश और दुनिया के नविशकों के लयि पसंदीदा डेस्टनिशन बन गया है। इस अवधि में रिकॉर्ड 10 हज़ार करोड़ रुपए का नविश इस कषेत्र में हुआ है।
- उल्लेखनीय है कि सौर ऊर्जा उत्पादन की दृष्टि से राजस्थान की अनुकूल भौगोलिक स्थितियों को देखते हुए प्रदेश में 142 गीगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का आकलन कयिा गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने की दशिा में राज्य सरकार द्वारा कारगर योजना बनाई गई है। योजना के तहत 2024-25 तक 30 गीगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य नरिधारति कयिा गया है, जो देश के ऊर्जा परदिश्य को पूरी तरह बदल देगा।